HIN 501

Total No. of Printed Pages:2

**B.A. B.Ed. (Semester-V)**
**EXAMINATION NOVEMBER 2022**
**Hindi (Paper-V)**
**Hindi Sahitya: Aadikaal Evam Bhaktikaal**

**[Duration : 2 Hours]** **[Total Marks :70]**

**Instruction :**

1. निम्नलिखित प्रश्नों से किन्हीं तीन प्रश्नों के लघु उत्तर लिखिए : **(3x5 = 15)**
   I. आदिकाल को 'सिध्द-सामंत काल' किसने कहा और क्यों ?
   II. नाथ संप्रदाय में गुरू का क्या महत्व है?
   III. रासो काव्य ऐतिहासिकता एवं प्रमाणिकता की कसौटी पर खरा क्यों नही उतरता ?
   IV. कबीर 'चुंबक' और 'लोहे' की बात किस संदर्भ में करते हैं ?
   V. 'मनवा तो चहुँ दिसी फिरै सो तो सुमिरन नाहिं ।'- पंक्ति का आशय समझाइए।

2. निम्नलिखित प्रश्नों से किन्हीं तीन प्रश्नों के लघु उत्तर लिखिए : **(3x5 = 15)**
   I. भक्तिकालीन समाज की वर्ण व्यवस्था पर प्रकाश डालिए।
   II. निर्गुण संत कवियों का नारी के प्रति क्या दृष्टिकोण था ?
   III. कृष्ण काव्य की विषय वस्तु क्या थी ?
   IV. कबीर के अनुसार मनुष्य को माया से मुक्ति क्यों पानी चाहिए?
   V. 'कबीर कूता राम का मुतिया मेरा नाऊँ ।' -प्रस्तुत उक्ति का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

3. अ. निम्नलिखित अवतरण की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। **05**
   i) साधो, पाँडे निपुन कसाई।
   बकरी मारि भेडि को धाए, दिल में दरद न आई।
   करि अस्नान तिलक दै बैठे, बिधि सों देवि पुजाई।
   आतम मारि पलक में बिनसे, रूधिर की नदी बहाई।
   अति पुनीत ऊँचे कूल कहिये, सभा माहिं अधिकाई।
   इनसे दिच्छा सब कोई माँगे, हँसि आवै मोहिं भाई।
   पाक-कटन की कथा सुनावै, करम करावें नीचा।
   बूडत दोउ परस्पर दीखे, गहे बाँहि जम खींचा।
   गाय बधै सो तुरक कहावै, यह क्या इनसे छोटे।
   कहैं कबीर सुनो भाई साधो, कलि में ब्राह्मन खोटे।

   अथवा

   ii) हरि जननीं मैं बालिक तेरा,
   काहे न औगुंण बकसहु मेरा ॥



0F705AFC0DCE8D92F7FC45045842506A

सुत अपराध करै दिन केते, जननी कै चित रहैं न तेते ॥
कर गहि केस करै जौ घाता तऊ न हेत उतरे माता।
कहै कबीर एक बुधि बिचारी, बालक दुखी दुखी महतारी।।

आ. i) 'कबीर संत ही नहीं थे वरन् एक युगप्रवर्तक, समाज सुधारक, विद्रोही जन नायक थे।'- पठित पदों के आधार पर समझाइए। **05**

अथवा

ii) कबीर के अनुसार मनुष्य के जीवन में आत्मज्ञान का क्या महत्व है? **05**

4. अ. वीर गाथा काव्य की प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए। **10**

अथवा

आ.टिप्पणियाँ लिखिए। **(5+5)**

i) आदिकालीन सांस्कृतिक परिवेश।

ii) स्वयंभू।

5. अ.सूफी काव्य की प्रवृत्तियों को स्पष्ट कीजिए। **10**

अथवा

आ.टिप्पणियाँ लिखिए। **(5+5)**

i) अष्टछाप।

ii) राम काव्य।

6. अ.सिध्द एवं जैन काव्य की सामान्य प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए। **10**

अथवा

आ.टिप्पणियाँ लिखिए। **(5+5)**

i) कृष्णभक्ति काव्य में लीला- वर्णन ।

ii) संत काव्य।